पिट्स

मुंबई में राजस्थानी सेवा संघ का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न हुआ

विनोद टीबडेवाला जी का सम्मान करते हुए राजस्थान के शिक्षा नंत्री डॉ.राजकुमार शर्मा

इस समारोह में मेघालय के राज्यपाल रनजीत शेखर मुशाहारी गुजरात की राज्यपाल श्रीमती कमला बेनीवाल और अरूणाचल के राज्यपाल श्री जोगिंदर जे.सिंह उपस्थित थे...

मुंबई (पिट्स प्रतिनिधी):

जिस प्रकार दुबई के शेखों ने दुबई को समृद्धशाली बनाया है उसी प्रकार राजस्थान में ऐसे कई शेख हैं जो इस सपने को साकार कर सकते हैं।' ये उदगार थे श्री राजस्थानी सेवा संघ के अध्यक्ष श्री विनोद टीबड़ेवाला के। अवसर था विले पार्ले स्थित भाईदास हाल में आयोजित श्री राजस्थानी सेवा संघ के स्वर्ण जयंती समारोह का। जिसमें अरुणाचल के राज्यपाल श्री जोगिन्दर जे.सिंह,मेघालय के राज्यपाल श्री रणजीत शेखर मूशाहारी,गुजरात की राज्यपाल श्रीमती कमला बेनीवाल, डी.वाय.पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी के अध्यक्ष श्री विजय पाटिल,जे.जे.टी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री विनोद टीबड़ेवाला, स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरीराज महाराज तथा सांवरमल सांगानेरिया को श्री जे.जे.टी .विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। मेघालय के राज्यपाल श्री मूशाहारी जी ने शिक्षा को केवल धन कमाने का साधन ही नहीं बल्कि देश और मनुष्य के विकास का मजबूत स्तंभ बताया वहीं गुजरात की राज्यपाल कमला बेनीवाल जी ने कहा कि मैं व्यक्तिगत तथा सरकारी दोनों स्तर पर राजस्थान को शिक्षा का विशाल केन्द्र बनाने में टीबड़ेवाला जी को सहयोग दूंगी।अरुणाचल के राज्यपाल श्री जे.जे.सिंह ने अपने रोचक भाषण में कहा कि मैं अभी तक मुम्बई से जे.जे. अस्पताल, जे.जे. स्कूल आफ आर्ट्स से अपने नाम को जुड़ा पाता हूं अब जे.जे.टी. विश्वविद्यालय से भी जुड़ गया हूं।कार्यक्रम तीन सत्रों में संपन्न हुआ जिसमें राजस्थानी सेवा संघ के मंत्री सुमती लाल गांधी को लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड सहित तथा समाज के गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र में श्री राजस्थानी सेवा संघ की पचास वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित संतोष श्रीवास्तव द्वारा लिखित नाटक 'आधी सदी का साक्ष्य' तथा सुमीता केशवा द्वारा लिखित राजस्थान के गौरव गान पर आधारित नृत्य नाटिका विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। अंतिम सत्र में राजस्थानी गीत एवं नृत्यों ने समां बांध दिया। छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित नाटक से कार्यक्रम का समापन हुआ।कार्यक्रम में भारी संख्या में साहित्यकार,समाज सेवी तथा संस्था में कार्यरत पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे।